श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : यह तो बहुत पहले से है, यह आज का बना हुआ नहीं है । जब सेंट्रल सिल्क बोर्ड म्बई में था . . . (व्यवधान)

श्री रामनिवास मिर्धा : कहीं बना हुआ हो, कभी बना हुआ हो इससे उसकी गतिविधियां हमेशा बढ़ती रहती है, सब-सेंटर्ज कायम होते रहते हैं, हर प्लान में बढ़ोत्तरी होती रहती है (व्यवधान) Moonga silk is a different problem and it is mostly in north-eastern area, not Bihar. It is not very important so far as Moonga is concerned. As regards Motihar and Betiah,

राज्य सरकार उसको चला रही है, राज्य सरकार डिमोंस्ट्रेशन सेंटर्ज चला रही है जिनकी संख्या 4 है । जैसे कि थेने पहले अपने उत्तर में उल्लेख किया है एक सीड सप्लाई सेंटर बालमिकि नगर में चल रहा है। रेशम का उत्पादन किस प्रकार बढ़े राज्य सहकार उस में मुख्य रूप से दिलचस्पी लेती है और जो भी योजनाएं हमारे पास भेजती है सेंट्रल सिल्क बोर्ड उस पर मदद करता है। (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: I think the Minister has answered enough. We go to the next question.

*185. [*The questioners (Shri Chitta Basu and Shri Ramkrishna Mazumder) were absent for answer* vide *col.* 31 *infra*].

*186. [*The questioner (Shri B. Satyanarayan Reddy) was absent. For answer,* vide *col.* 32 *infra*].

Development of Tourism in the Northern region

*187. SHRI SURENDRA SINGH THAKUR: Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) whether the development of tourism in the Northern region is slow;

(b) if so, what are the reasons therefor and what steps have been taken by Government in this regard;

(c) whether infrastructural facilities are available for development of tourism in this region;

(d) if not, what steps have been taken by Government to extend infrastructural facilities; and

(e) what are the details of projects undertaken for development of tourism in the Northern region in the recent past?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI RAM NIWAS MIRDHA): ON BEHALF OF THE MINISTER OF TOURISM: (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Yes, Sir.

(d) Does not arise.

(e) (*See* Appendix CXLI, Annexure No. 63.)

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि हिमालय पर्यटन संसाधनों को प्रयोग कर के पर्वतीय स्थलों में पर्यटन के विकास की दिशा में एडवेंचर स्पोर्ट टयूरिज्म के विकास हेतु ट्रेकिंग वाइल्ड लाइफ तथा विंटर स्पोर्ट्स के विकास की दिशा में सातवीं पंचवर्षीय योजना के पिछले दो वर्षों में सरकार की क्या उपलब्धियां रही हैं और उसके इस दिशा में क्या क्या काम हैं ?

श्री रामनिवास मिर्धा : श्रीमन्, मैंने अपने उत्तर में विस्तृत तरीके से छठी पंचवर्षीय योजना में पर्यटन विकास के लिये क्या किया गया है और सातवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम दो वर्षों में क्या क्या किया गया है, उसका पूरा उल्लेख किया है। जम्मू और काश्मीर के क्षेत्र में एक तो मिसाल मैं आपके सामने रखना चाहूंगा कि गुलमर्ग में विन्टर स्पोर्ट प्रोजक्ट चलना चाहिये । किस प्रकार से उसके इक्वपमेंट्स की खरीदारी होनी चाहिये, ट्रेकिंग इक्विपमेंट्स की खरीदारी होनी चाहिये, ये सब योजनायें हैं वे केन्द्रीय मंत्रालय ने राज्य सरकार को मदद कितनी दी है, कितना अमाउंट

उनको मिला है, कितना रीलीज हो चुके है, यह पूरे विस्तार से मैंने माननीय सदस्या को बताया है । मैं आशा करता हूं कि उससे व संतुष्ट हो जायेंग ।

श्री सुरेन्द्र सिंह ठाकुर : सभापति जी, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि 7वीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत एनुअल ग्रोथ रेट टूरिज्म डिपार्टमेंट ने क्या आंका है और क्या उसको प्राप्त किया है ? यदि किया है तो बधाई लेकिन नहीं किया है तो उसका क्या कारण हैं ?

श्री रामनिवास मिर्धा : श्रीमन्, छठी पंचवर्षीय योजना में पर्यटन मंत्रालय का बजट केवल 25 करोड़ रुपये था और 7वीं योजना में उसको बढ़ाकर 68 करोड़ रुपये कर दिया गया है । पर्यटकों की संख्या भी काफी बढ़ रही है और 10 लाख पर्यटकों की जो सीमा थी उसको भी हम लांघ चुके हैं । जो भी योजनायें बनी हैं । उनकी वजह से बाहर के पर्यटक भी आ रहे हैं और देश में भी जो पर्यटक एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में जाते हैं उनकी संख्या बढ़ रही है, उनकी सुविधायें बढ़ रही है और मैं समझता हूं कि इस क्षेत्र में काफी संतोषजनक प्रगति हुई है ।

श्री कैलाश पति मिश्र : सभापति महोदय, टूरिज्म के विस्तार के लिये ऐतिहासिक स्थान, सांस्कृतिक स्थान और प्राकृतिक स्थान ऐसे कई बिंदु हैं जिनको ध्यान में रखकर सर्वेक्षण करना चाहिये . मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि बिहार में 7वीं पंचवर्षीय योजना में लागू करने के लिये क्या प्राकृतिक, एतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक स्थलों को दृष्टि में रखकर कोई सर्वेक्षण किया गया है ?

श्री रामनिवास मिर्धा : श्रीमन्, यह प्रश्न तो और क्षेत्र का है और बिहार का प्रश्न आ गया है . . **(व्यवधान)** प्रश्न में नहीं है ।

Mr. Chairman: Next question. Question No. 188. Both are absent.

*188. [*The questioners (Shri Chaturanan Mishra and Shri J. P. Goyal) were absent. For answer,* vide *Col.* 33 *infra*]

MR. CHAIRMAN: Question No. 189 Mr. Prashant.

Inclusion of languages in the Eighth Schedule of the Constitution

*189. **SHRI DHARM CHANDER PRASHANT:** Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that twenty one languages of the country have been recognised by the Sahitya Akademi on their merit but of these only fifteen are in the Eighth Schedule of the Indian Constitution;

(b) whether it is also a fact that demands have been made for the inclusion of Konkani, Maithili, Rajasthani, Gorkhali, Manipuri and Dogri Languages in the Eighth Schedule; and

(c) what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) Out of the 22 languages recognised by the Sahitya Akademi, 15 of them are in the Eighth Schedule of the Constitution.

(b) and (c) Yes, Sir. Government are of the view that inclusion of more language in the Eighth Schedule would create other repercussions and reactions. However, it is the endeavour of the Government to develop the cultural and literary heritage of all the languages irrespective of their inclusion in the Eighth Schedule of the Constitution.

MR. CHAIRMAN: Yes, Mr. Dharam Chander Prashant.

SHRI DHARAM CHANDER PRASHANT: Mr. Chairman, Sir, the reply given to me by the honourable Minister is not convincing. As everybody is aware, when the Constitution of India was passed, only fourteen languages were included in the Eighth Schedule and sindhi came at a later stage. I would like to know what the reaction was and what the repercussion was when Sindhi was included in the Eighth Schedule. What